<u>हिंदी विवि में त्रिदिवसीय फिल्मोत्सव के दूसरे दिन गांधीवादी मूल्यों पर दिखायी गयी फिल्में</u>

<u>फिल्मोत्सव में कई फिल्मी हस्तियां थीं मौजूद, विवि परिसर में उत्सव सा माहौल</u>

वर्धा, 07 सितम्बर, 2011; महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में आयोजित त्रिदिवसीय (6-8 सितम्बर, 2011) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के दूसरे दिन कई फिल्मी हस्तियों की मौजूदगी में गांधीजी के जीवनादर्शों को प्रेरित करने वाली फिल्में दिखायी गयीं। हबीब तनवीर सभागार में आयोजित फिल्मोत्सव में बुधवार को दिनभर सिनेमा प्रेमियों का तांता लगा रहा।

सुप्रसिद्ध निर्देशक बिले अगस्ट की फिल्म गुड बाई बाफना (जो कि नेल्सन मंडेला के जेल जीवन पर बनायी गयी है) दिखायी गयी। यह फिल्म उतना ही क्लासिक है जितना कि भारत में गांधीजी पर एडन बरो द्वारा बनायी गयी फिल्म-गांधी। इसके उपरांत अमित राय की रोड टू संगम दिखायी गयी। यह फिल्म गांधीवादी मूल्यों पर आधारित है। इसमें यह दिखाया गया है कि एक मैकेनिक के पास गाड़ी ठीक होने के लिए आती है, उनको यह नहीं पता होता है कि यह वही गाड़ी है जिसपर गांधीजी की अस्थियां ले जानी है। उनके शहर में बम ब्लास्ट होता है उनके समुदाय के लोग पकड़े जाते हैं, निर्दोष भी जेल में ठूंसे जाते हैं फिर उसपर राजनीति होती है। उस मैकेनिक को चुनाव करना पड़ता है कि वह गाड़ी ठीक करे या कि अपने समुदाय के लोगों के साथ राजनीति में शामिल हों। संध्या समय में सीमा कपूर की फिल्म हाट दिखायी गयी। गौरतलब है कि फिल्म समारोह का उद्घाटन फिल्म निर्देशक फिरोज अब्बास खान ने मंगलवार को किया था। फिल्म समारोह में गांधी दर्शन पर आधारित अहिंसा और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व को सामने लानेवाली विश्व की चर्चित फिल्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें ओमपुरी, फिरोज अब्बास खान, सीमा कपूर, अनवर जमाल, अमित राय,रंजीत कपूर, एल एडविन,गौतम घोष, त्रिपुरारी शरण, संजय झा निर्देशित रोड टू संगम, चिंटू जी, हाट, गांधी माई फादर, जब दिन चले न रात चले, स्वराज, स्ट्रिंग्स-बाउंड बाई फेथ सहित कई फिल्में दिखायी गयी। इस अवसर पर देशभर से आए फिल्मकार, समीक्षक, साहित्यकार,पत्रकार सहित विवि के अध्यापक, कर्मी,शोधार्थी व विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समापन समारोह में ओमपूरी होंगे मुख्य अतिथि- फिल्म समारोह का समापन गुरूवार को सायं साढे छह बजे जाने-माने फिल्म अभिनेता ओमपुरी की प्रमुख उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ भवन के प्रांगण में होगा। इस अवसर पर उन्हें विवि द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। ओमपुरी की तीन फिल्मेंइस्ट इज इस्ट, माई सन द फाइनेटिक, और पतंग को दिखायी जाएंगी।

-अमित कुमार विश्वास